ये बेहता आसमां..

बेहती हवाएँ...

चांद की हलकीसी पहल

और धुंदली हुई दिशाए....

ले जा रही है मुझे

मेरेही करीब....

मेरे जिंदा होने का एहसास

नर्म आंखों मे लिये...